एक 'एसेट' जो अगली पीढ़ी को तैयार करता है।

प्रोजेक्ट इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के जानकार और अनुभवी वरिष्ठ इंजीनियरों ने 'एसेट' विकसित किया हैं जिसका उद्देश्य अगली पीढ़ी के इंजीनियरों को, वरिष्ठ इंजीनियरों के सेवानिवृत्ति के बाद कामकाज संभालने हेतु तैयार करना है। 'एसेट' जिसका अर्थ है त्वरित प्रणालियां तथा कौशल विकास प्रशिक्षण, का उद्देश्य जूनियर इंजीनियरों की योग्यता के स्तर को बढ़ाना है ताकि वे बिना किसी सहायता के या अपने वरिष्ठ सहयोगियों से मिले न्यूनतम मार्गदर्शन के साथ स्वतंत्र रूप से उपकरणों को विकसित करने हेतु डिजाइनिंग का कामकाज संभाल सकें। जूनियर इंजीनियर्स, जिन्हें क्रैश कोर्स, 'एसेट' से गुजरना पड़ेगा, से उम्मींद की जाती है कि वे स्वतंत्र रूप से एसओडीएस (सेल्स ऑडर डेटा शीट) को संभालने का काम कर सकेगें।

वरिष्ठ इंजीनियरों ने अपने जूनियर इंजीनियरों को डिजाइन और कंपनी द्वारा निर्माण किए जा रहे विभिन्न उपकरणों के विकास पर प्रशिक्षण प्रदान करते है। एक उत्पाद पर प्रशिक्षण मॉड्यूल की औसत अवधि करीब आठ घंटा है। प्रशिक्षण के बाद नवोदित इंजीनियरों के द्वारा आत्मसात किए गए जानकारी के मूल्यांकन के लिए उस विषय पर परीक्षा ली जाती है।

'एसेट' कंपनी के लिए कई प्रकार के लाभ सुनिश्चित करता है। वरिष्ठ इंजीनियरों के ज्ञान का समृद्ध भंडार और अनुभव उनके सेवानिवृत्त हो जाने के बाद भी गुम नहीं होगा बल्कि यह संरक्षित रहेगा और युवा पीढी द्वारा इसका इस्तेमाल किया जा सकेगा।

यह निवर्तमान पीढी के प्रतिस्थापन के रूप में नए इंजीनियरों की भर्ती करने की आवश्यकता को यदि समाप्त नहीं कर सकता तो कुछ हद तक कमी ला सकता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह कंपनी के अन्य यूनिटों में काम कर रहे वरिष्ठ इंजीनियरों को भी इस प्रकार के ज्ञान और कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन करने के लिए प्रेरित करेगा।